परमधर्माध्यक्षीय अन्तर–धर्म वार्ता परिषद

हिन्दुओं एवं ईसाईयों काः सम्पूर्ण मानवीय विकास के लिए समर्पित

दीपावली त्योहार के लिए संन्देश

2009

वाटिकन शहर

प्रिये हिन्दू मित्रो,

1. मुझे और एक बार आप सबों को परमधर्माध्यक्षीय अन्तर–धर्म वार्ता परिषद की ओर से दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए अपार खुशी हो रही है। धार्मिक त्योहार हमारे संबंध को ईश्वर और एक दूसरे के साथ बढ़ाने के लिए जागृत करता है। जब हम अपना मन और दिल ईश्वर की ओर उठाते हैं तो यह प्रकाश का त्योहार, हमारी आपसी संबंध को मजबूत बनाता है और हमें आशिष, खुशी और शांति प्रदान करता है।

2. परमधर्माध्यक्षीय अन्तर–धर्म वार्ता परिषद की परमपरा को ध्यान में रखते हुए कुछ सर्वजनिक विषयों को आपलोगों के विचार के लिये रखना चाहूँगा कि इस वर्ष हम सम्पूर्ण मानवीय विकास और रोजगार पर विचार विमर्श करेंगे।

3. सम्पूर्ण मानवीय विकास का अर्थ है प्रत्येक व्यक्ति, समुदाय और समाज, तथा मानव जीवन के हर क्षेत्र का विकासः सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक तथा धार्मिक। संत पिता पॉल छाटवें इसका वर्णन करते हुए कहते हैं कि "सभी लोगों के लिए व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास" *(Populorum Progressio, 1967,no.42)* कमजोर मानवीय वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक *(Ibid., no. 20)* और संत पिता बेनेदिक्ट ने हाल ही में लिखा है, "सम्पूर्ण मानवीय विकास का मानना है कि व्यक्तिगत तथा जनता का स्वतंत्र उतरदायित्व" *(Caritas in Veritate no.17).*

4. इस तरह की वास्तविक मानवीय विकास की प्राप्ति तभी की जा सकती है जब उतरदायित्व को आपस में बाटकर गंभीरतापूर्बक एक साथ काम करें। यह हमारी मानवीय स्वाभव और मानवीय परिवार में रहने से ही संभव है।

5. सम्पूर्ण विकास की प्रक्रिया में मानवीय जीवन की रक्षा, सम्मान तथा व्यक्ति के मौलिक अधिकार के प्रति सबों की जिम्मेदारी है व्यक्तिगत और सामूदायिक रूप से।

6. इसलिए दूसरों के प्रति आदर, उनकी स्वतंत्रता की पहचान कराता है–उनके स्वतंत्र विचार और धर्म का। जब व्यक्ति धर्म के चुनाव के प्रति अपने में सम्मान महसूस करता है, तभी केवल वह दूसरों से मिल सकता है और मानव विकास के लिये काम कर सकता है। यह विकास के कार्य में अधिक शांतिपूर्ण सामाजिक वातावरण लाता है।

7. सम्पूर्ण मानव विकास के लिए राजनीतिक इच्छा जरूरी है। शांतिपूर्ण जीवन और मानवीय अधिकार की रक्षा के लिए विकास, स्वतंत्रता और शांति एक–दूसरे से पूर्ण रूप से जुड़े हैं। अनन्त शांति और सामंजस्य का सम्बन्ध स्वतंत्र वातावरण में ही प्राकट होता है। उसी तरह सम्पूर्ण मानवीय विकास भी शांतिपूर्ण वातावरण में ही संभव है।

आइये, भले लोगों की तरह एक–दूसरे से मिलकर अंधकार को दूर करें, जो हमारी एकता, धार्मिक सामंजस्य और व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास में बाधा उत्पन्न करता है।

दीपावली, लोगों को दोस्तों के साथ मनाने का अवसर प्रदान करे, बूराई पर भलाई की विजय हो, अंधकार पर प्रकाश का और एक साथ मिलकर सबों की सच्ची स्वतंत्रता और सम्पूर्ण मानवीय विकास के लिए काम करें।

पुनः एक बार मेरी ओर से सबों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

Jean-Louis Card. Tauran

कार्डिनल जॉन लुईस तोरान
अध्याक्ष

Pier Luigi Celata

आर्चबिशप पियर लुईजी चेलाता
सचिव

Pontifical Council for Interreligious Dialogue
00120 Vatican City

Tel: +39.06.6988 4321 / 06.6988 3648
Fax: +39.06.6988 4494
E-mail: dialogo@interrel.va